PTEC NEWSLETTER

Issue No: 1 | **January – April 2024** | **Vol. 1**

अनुक्रमणिका

गणतन्त्र दिवस 2024
वार्षिक वनभोज
स्टाफ वनभोज
वार्षिक खेल-कूद
शैक्षणिक-भ्रमण
कला विकास कार्यक्रम
विज्ञान-प्रदर्शनी
महाविद्यालय दिवस
फोटो-सेशन

हमारे महाविद्यालय में 26 जनवरी (गणतन्त्र दिवस) को बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। झंडोतोलन एवं सामूहिक परेड किया गया। विद्यार्थियों द्वारा भाषण देकर, आकर्षक झांकी और लघु नाटिका का मंचन कर सभी का दिल जीत लिया। मुख्य अतिथि के रूप में अभ्यास मध्य विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री विमल कच्छप ने अपनी पूर्ण उपस्थिति दी। साथ में, स्कूल के प्रधानाध्यापक, प्रधानाध्यापिका, महाविद्यालय के प्राचार्य तथा सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित थे।

शिल्पा मिंज
द्वितीय वर्ष "ब"

चुनावी हलचल

छात्र प्रतिनिधियों की सूची

Academic & Cultural
Deepak Bilung Prdeep Bara
Priya Kullu,. Manisha Tete

Agriculture & Cleaning:
Vikas Tigga Denish Bage
Sushma Kumari Priya Rose Tirkey

Liturgy & Prayer:
Libin Baxla Ankit Minj
Sangeeta Kujur Divya Lakra

Health & Hygiene:
Suman Toppo Amit Ekka
Noshila Kumari Haritima Toppo

Games & Sports:
Bineet Kerketta Arman Soren
Abha Tirkey Abha Soreng

Notice Board:
Ashish Khalkho Jayprakash Xalxo
Alka Jojo Goreti Dang

College Flower Garden:
John Lakra
Aviral Topno

Electricity:
Raju Ekka
Erik Minj

26 जनवरी 72 वें गणतन्त्र दिवस के अवसर पर महाविद्यालय प्रांगण में देश के रक्षकों के प्रति सम्मान तथा आदर देने हेतु झांकी और देशभक्ति गानों की प्रस्तुति की गयी। सभी कार्यक्रम सुंदर और आकर्षक थे। इसका हिस्सा बनने पर मैं गौरवन्वित महसूस करती हूँ।

सरोज लकड़ा
द्वितीय वर्ष 'ब"

हमारा राष्ट्रीय त्योहार गणतन्त्र दिवस

"बहुत लंबा चला वीरों का संघर्ष
जाने कितनों ने बलिदान दिया
जाने कितनों ने कुर्बानी दी
लेकिन किसी ने भी हार नहीं मानी।"

इस दिन कार्यक्रम की शुरुआत परेड से हुई। उच्च विद्यालय, मध्य विद्यालय और महाविद्यालय के द्वारा सम्मिलित रूप में परेड किया गया। जो की मनमोहक एवं आकर्षक था। इसके बाद देशभक्ति नृत्य, गाना, भाषण और झांकी की प्रस्तुति ने सबका मन मोह लिया। शहीदों की याद में प्रस्तुत झांकी से मुझे प्रेरणा मिली कि मैं भी अपना जीवन दूसरों की सेवा करते हुए देश सेवा में लगा सकूँ।

सु मन लकड़ा
द्वितीय वर्ष "ब"

संपादक-मण्डल

सुमित तिर्की
शंभु कुमार यादव
दीपक बिलुंग
अनिशा कुजूर

Annual Picnic

Birthday Celebration

Staff Picnic

प्रकृति की सुंदरता का महत्व ही कुछ और है। ऐसा ही एक अवसर प्राप्त हुआ प्रकृति की सुंदरता को निखारने का, उसकी गोद में खेलने का। मौका था लारा नदी के किनारे स्टाफ पिकनिक का। पेड़ों से भरा घना जंगल, हरे-हरे घासों के मैदानों के बीच से कल-कल बहता पानी और बहते पानी के बीच चट्टानों का अडिग खड़ा रहकर पानी की दिशा को मोड़ना बहुत ही मनोरम दृश्य दिल को सुकून प्रदान करता है। जनवरी के प्रथम सप्ताह, भीनी-भीनी ठंडक के बीच स्टाफ के सभी सदस्य लारा नदी के किनारे पिकनिक का लुफ्त उठाये और इसी के साथ नए साल का आगाज किए।

[2 फ़रवरी को वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता का दिन था। इसका आयोजन प्राथमिक शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय, संत जेवियर +2 उच्च विद्यालय और अभ्यास मध्य विद्यालय तीनों एक समन्वित रूप सम्पन्न किए। महाविद्यालय और अभ्यास मध्य विद्यालय के द्वारा आकर्षक ड्रिल की प्रस्तुति कर सभी का मन मोह लिया। मुख्य अतिथि के रूप में उत्तरी छोटानागपुर की आयुक्त श्रीमती सुमन कैथरीन किस्पोट्टा और विशिष्ट अतिथि के रूप में क्षेत्रीय संयुक्त शिक्षा निदेशक श्रीमती सुमनलता तोपनो बलिहार दोनों की गरिमामयी उपस्थिति हम सभी के लिए गौरव की बात रही। दोनों ने अपने आकर्षक व्यक्तित्व एवं आशीर्वचन में प्रभावशाली शब्दों से हमारा हौसला बुलंद किया। दोनों को हृदय से धन्यवाद प्रकट करने के लिए बाद में महाविद्यालय के प्राचार्य के द्वारा धन्यवाद कार्ड दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों एवं शिक्षकों ने लगभग 20 दिनों तक कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।]

वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता

हमारे जीवन में खेल-कूद का महत्वपूर्ण स्थान है। बचपन से ही मुझे खेल-कूद में रुचि है। महाविद्यालय के खेल-कूद प्रतियोगिता में मैंने लगभग सारे इवेंट्स में भाग लिया और अपने दल के किए अंक अर्जित किया। दल में सभी कामों में सदस्यों की भागीदारी मुझे बहुत अच्छा लगा।

अरमान सोरेन
प्रथम वर्ष "ब"

महाविद्यालय स्पोर्ट्स डे

प्रथम वर्ष में होने के कारण यह मेरे लिए पहला मौका था कि मैं स्पोर्ट्स में अपनी सहभागिता दिखाऊँ। मैंने पूरी कोशिश की और अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। इससे मेरा साहस बढ़ा। इस दौरान मुझे शारीरिक मेहनत बहुत करनी पड़ी। साथ-ही-साथ दल में एकता, दल-भावना के साथ समन्वय बनाकर काम करना मुझे बेहद रोमांचक लगा।

अनुज तोपनो

मेरे लिए महाविद्यालय का स्पोर्ट्स बहुत ही खास था क्योंकि मैं पहली बार अधिक-से-अधिक इवेंट्स में भाग ले पायी। दरअसल मुझे बहुत डर लगता था,दूसरों से बहुत शर्म आती थी ऐसा लगता था कि अगर मैं नहीं सकूँगी तो लोग मुझे क्या कहेंगे? परंतु मुझे एक नया अनुभव प्राप्त हुआ। मेरे अंदर आत्मविश्वास कि बृद्धि हुई और सीख यही मिली कि किसी भी काम को करने से पहले घबराना, डरना या भागना नहीं चाहिए।

दिव्या लकड़ा
प्रथम वर्ष "ब"

Educational Tour
GANGTOK

हमारा शैक्षणिक भ्रमण 06 मार्च से 11 मार्च तक था। राँची से न्यू जलपाईगुड़ी तक ट्रेन का लंबा सफर बहुत ही आनंददायक रहा। गंगटोक पहुँचकर पहले दिन Flower show, Hanuman Tek, Botanical Garden, Water Fall, Handicraft, Hill Top आदि स्थानों का भ्रमण किए। वहाँ के खूबसूरत इमारत और शुद्ध वातावरण से मैं मंत्रमुग्ध हो गयी। दूसरे दिन Shango lake और Baba Mandir के दर्शन बहुत ही सुखदायी था। वहाँ बर्फ की मौजूदगी ने तो सोने पे सुहागा बना दिया। मैंने बर्फ से तरह-तरह के आकृति बनायी और खेलकर खूब मजा लिया।

अनुप्रभा मिंज
द्वितीय वर्ष "ब"

तारों की छाँव में गंगटोक

कहा जाता है कोई भी सुंदर चीज़ रात में और भी ज्यादा सुंदर, खुशनुमा हो जाती है। अपने शैक्षिक भ्रमण में जब हमने सिक्किम की राजधानी गंगटोक में प्रवेश किया, तब शहर की खूबसूरती देखते ही बन रही थी। रात्रि के समय में हमारी गाड़ी तारों से भरे आकाश में गोते लगा रही थी। घरों से निकालने वाले प्रकाश के कारण तारे जमीन पर नज़र आ रहे थे। उस पर तीस्ता नदी से बहने वाली पानी की आवाज़ वातावरण को और भी ज्यादा खुशनुमा बना रही थी। रात्रि के समय घाटियों में बसा यह शहर बहुत ही सुंदर नज़र आ रहा था। जब मैंने खिड़की से बाहर झाँककर देखा तो घाटियों में चढ़ाई करता बस ऐसे लग रहा था मानों झूले में झूल रहा हो। इसलिए कहा जाता है –"प्रकृति के साथ चलने का मतलब हजार चमत्कारों को एक साथ देखने जैसा है।

"जितना तुम कुदरत की तरफ जाओगे
उतना रब के करीब खुद को पाओगे"

अंशुमाला खलखो
द्वितीय वर्ष "A"

तारों के सदृश टिमटिमाता गंगटोक

जब गंगटोक जाने की बात हुई उसी समय से मेरे मन में हलचल होने लगी और मैं पूरी तैयारी करने लगी। जब यात्रा सिलीगुड़ी से गंगटोक का शुरू किए उस समय रात थी। बीच-बीच में चाय-नास्ता के लिए बस का रुकना लाज़मी था। जब भी बस रुकी मैं उतरकर सबसे पहले आसमान की ओर देखती, मुझे तारे ही तारे नजर आते। बाद में पता चला की वे तारे नहीं बल्कि घर के बत्ती थे। वाकई बहुत ही खूबसूरत नजारा देखने को मिला।

प्रीति खलखो
द्वितीय वर्ष "अ"

सिक्किम की राजधानी गंगटोक बहुत ही शांत एवं साफ-सुथरा जगह है। पहाड़ों पर भी तिमंज़िले मकान और प्राकृतिक दृश्य इतना मनमोहक था कि वहाँ से वापस आने का मन ही नहीं कर रहा था। न्यू बाबा मंदिर में प्रार्थना की तो बहुत सुकून मिला।

जगमती मारंडी

Skill Developmnet Programme

तीन दिवसीय सेमिनार मेरे लिए बहुत ही अर्थपूर्ण रहा। इसमें हमलोगों ने घरेलू सामग्रियों से आचार, फिनाइल, टमाटर चटनी, मशरूम उगाने के तरीके, मोमबत्ती बनाना सीखा। साथ ही, तरह-तरह के जड़ीबूटियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। अंतिम दिन, अपने बारे में जानने एवं व्यक्तित्व के विकास से संबन्धित जानकारी बहुत ही प्रेरणादायक रही।

अनूप बाड़ा
प्रथम वर्ष “ब”

<u>व्यक्ति का व्यक्तित्व</u>

कार्यक्रम के अंतिम दिन व्यक्तित्व विकास विषय पर आधारित था। इसके मुख्य वक्ता फा. राजेंद्र टेटे थे। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी व्यक्ति के अंदर छिपे सकारात्मक या नकारात्मक गुण ही व्यक्ति के व्यक्तित्व हैं। जो व्यक्ति के कार्यों और भावों से प्रदर्शित होता है। व्यक्ति अपने अच्छे गुणों या हुनर को पहचानते हुए अपने जीवन रूपी गाड़ी को सही मार्ग दे। इसके लिए स्वयं अपने किए गए कार्यों और भावी योजनाओं में आत्मनिर्भर और आत्मविश्वास होनी चाहिए। अपने कामों से हमेशा खुश रहें क्योंकि खुशी जीवन कि आधी समस्याओं का समाधान कर देती है।

रिंकूलाल हंसदा
प्रथम वर्ष “ब”

तीन दिनों का सेमिनार मेरे लिए बहुत ही लाभदायक रहा। बड़े दल में हमने आचार, फिनाइल, मशरूम उगाने के तरीके, मोमबत्ती बनाना सीखा। छोटे दल में पपीता कि चटनी बनाना सीखा जो कि मेरे लिए फायदेमंद रहा। दल के सभी लोगों का भरपूर मदद मिला। तीसरे दिन हमलोगों ने कागज को काटकर कई प्रकार के अर्थपूर्ण वस्तु बनाना सीखा। उसमें मुख्यतः थे-कागज के फूल, तारा, पेन स्टैंड आदि।

नीलिमा एंगा पूर्ति

Arts & Science Exhibition

आर्ट एण्ड क्राफ्ट प्रदर्शनी

विज्ञान दिवस के अवसर पर मेरे दल को सामाजिक विज्ञान से संबंधित मॉडल तैयार करने का जिम्मा मिला। इसके अंतर्गत रुमाल, माला, टेबल क्लोथ, मोबाइल बैग, ट्रेक्लोथ आदि बनाकर हाथों की कला को प्रदर्शन करने का मौका मिला। मैं और पूरा दल खूब मेहनत किए और सीखने की कोशिश कोशिश की।

खुशबू मुर्मू
द्वितीय वर्ष "ब"

विज्ञान प्रदर्शनी

हर वर्ष 28 फरवरी को विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों के बीच विज्ञान दृष्टिकोण को बढ़ावा देना है। साथ ही लोगों में विज्ञान की रुचि को बढ़ाना है।

महाविद्यालय में मेरे दल को पुरातात्विक इतिहास से 'मेगालिथ' का प्रकरण मिला था। दरअसल मेगालिथ एक मृत्यु स्थल है। पुराने जमाने में जब किसी की मृत्यु हो जाती थी तो लोग उन्हें दफनाते थे तथा उसकी स्मृति में उस स्थान पर पत्थर लगा देते थे। ऐसा ही एक मेगालिथ हजारीबाग के बड़का गांव प्रखण्ड के पकरीबरवाडीह में स्थित है।

दीपक बिलुंग

महाविद्यालय दिवस

मेरा कॉलेज डे का अनुभव बहुत ही अच्छा रहा। और यह दिन मेरे लिए यादगार रहेगा क्योंकि कॉलेज डे की तैयारी के लिए सभी प्रशिक्षणार्थी उत्सुकता पूर्वक अपने-अपने क्षेत्रों में भाग लिए। इस दरमियान मुझे अपने गुणों को निखारने का मौका मिला। जिस प्रकार संत जोसेफ ईश्वर के वचनों को अपने हृदय में रखकर उनकी इच्छानुसार येसु के पालक पिता बने तथा माता मरियम के प्रति ईमानदार बना रहा। मुझे भी अपने छोटे-बड़े सभी कार्यों में ईमानदार, कर्तव्यनिष्ठ एवं धैर्यवान बनने की प्रेरणा मिली। साथ ही मुझे एक साथ कार्य करने में आनंद एवं खुशी का अनुभव हुआ।

अलबीना कंडुलना
प्रथम वर्ष

महाविद्यालय दिवस

हमारे महविद्यालय के संरक्षक संत जोसफ के परब दिवस के अवसर पर इस महाविद्यालय में कॉलेज दिवस मनाया जाता है। हर्षोउल्लास एवं सफलतापूर्वक मनाने के लिए कामों का बंटवारा आम बात है। मुझे अतिथियों के लिए भोजन तैयार करने की जिम्मेवारी दी गयी थी, जिसे मैंने बखूबी निभाया। सभों ने स्वादिष्ट भोजन का लुफ्त उठाया। कहना चाहता हूँ कि ज़िम्मेदारी मिलने से अपने-आप को निखारने और नेतृत्व करने का अवसर मिलता है।

सुमित तिर्की
द्वितीय वर्ष "ब"

महाविद्यालय दिवस

महाविद्यालय दिवस के अवसर पर हमारे महाविद्यालय के संरक्षक संत जोसेफ के समान आज्ञाकारी, धर्मी, और मेहनती बनने की प्रेरणा मुझे मिलती है। इस अवसर पर रंगारंग कार्यक्रम की प्रस्तुति बहुत ही मनमोहक थी। प्रस्तुत एकांकी '21वीं शताब्दी' के दृश्य भी अर्थपूर्ण थे। संदेश यही था कि हम हर काम को नौकर के भरोसे न छोड़ दें।

रेजियुस एक्का

महाविद्यालय दिवस कि शुरुआत मिस्सा-पूजा से हुई। मुख्य अनुष्ठाता फा. सत्य प्रकाश बास्के थे। उन्होंने संत जोसेफ के जीवनी पर गहराई से प्रकाश डाला और उनके आदर्श गुणों जैसे- आज्ञाकारिता, ईमानदारी, और मेहनती के बारे विस्तार से बतलाया। और उनके पद चिन्हों पर चलने के लिए हम सभी को प्रेरित किया। मिस्सा के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम में मुझे मंच संचालन का सुअवसर प्राप्त हुआ। जिससे मुझे आंतरिक खुशी का एहसास हुआ।

प्रफुल सुरीन

जब कोई बात हमारी आशा के विरुद्ध हो, तभी दुःख होता है – प्रेमचंद

Photo Session

2022-24 (A)

2023-25 (A)

2022-24 (B)

2023-25 (B)

Student Representatives till April, 2024

Principal & Staff

Session : 2022-24